Hindustan-New Delhi-04-03-2011

UGC NE NET ME SHURU KIYA E-CERTIFICATE

साम्राज्य को टाटा कह झुग्गियों की लेंगे सुध

झुग्गी वालों को क्रय शक्ति के मुताबिक फ्लैट देने का भी रखते हैं इरादा

सत्येंद्र कुमार

जमशेदपुर

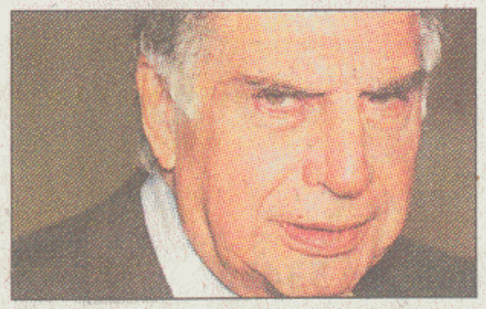

जल्द ही देश की दिग्गज कारोबारी हस्ती आपको किसी बस्ती में बच्चों के साथ-साथ खिलखिलाती दिख जाएगी क्योंकि टाटा और रतन टाटा के रास्ते अगले साल अलग होने वाले हैं। टाटा ग्रुप तो पहले की तरह कारोबार करता रहेगा पर उसके चेयरमैन रतन टाटा अब परोपकार के रास्ते चलेंगे। 75 के हो चुके रतन विशाल कॉरपोरेट साम्राज्य से सन्यास लेने के बाद समाज की सेवा में जुटने का इरादा बना चुके हैं।

जे एन टाटा की जयंती पर जमशेदपुर में आयोजित समारोह में शिरकत करने पहुंचे रतन ने कहा कि अगले वर्ष व्यापारिक गतिविधियों से रिटायरमेंट लेकर वह टाटा ट्रस्ट के जरिये देश व समाज की सेवा कर अपना समय गुजारेंगे। उन्होंने वर्कर्स यूनियन का यह आग्रह ठुकरा दिया कि कम से कम एक बार वे अपने कार्यकाल का विस्तार कर लें।

> “मैंने पूरी जिंदगी एक तरह से टाटा समूह की सेवा में बिता दी। बचे दिन मानवता और देश की सेवा करना चाहता हूं।”
>
> रतन टाटा

नैनो और स्वच्छ के बाद आम आदमी के लिए आगे की योजना पर टाटा का कहना था कि वह कम बजट वाली हाउसिंग को प्रमुखता से प्रोत्साहित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मैं ऐसी लागत पर फ्लैट बनाना चाहता हूं कि झोपड़ी में रहने वाले भी उसे खरीद सकें।

जिनके लिए मंजिल कुछ और थी

विप्रो के संस्थापक अजीम प्रेमजी ने दिसंबर 2010 में ग्रामीण शिक्षा के क्षेत्र में सुधार की तरफ कदम बढ़ाया। उन्होंने इस काम के लिए भारत सरकार को 2 अरब डॉलर दिए थे। यह देश में किसी उद्योगपति द्वारा दी गई सर्वाधिक दान की राशि है।

बिल गेट्स ने पिछले साल अपनी 60 अरब डॉलर संपत्ति दान करने की घोषणा की। गेट्स की संस्था कई क्षेत्रों में काम कर रही है। साथ ही अफ्रीका और एशिया में छोटे किसानों की मदद कर रही है ताकि उनकी आय व फसल उत्पादन बढ़ सके।